

Q5) (क) → वैशाली के प्रमुख संघ कौन-कौन हैं?

उत्तर → जहाँ लिच्छवी-पञ्चनी संघ गण के प्रतिनिष्ठा विद्वान् जन तथा गुणों का समूह विद्यमान था और जहाँ गण प्रमुख प्रजापालन के लिये विख्यात थे वह वैशाली विश्वपन्दिता हैं।

(ड) → वीर कुँवर सिंह कौन थे? उनका जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तर → वीर कुँवर सिंह शौर्य, पराकाष्ठा तथा दैर्घ्य साक्षात् के रूप में। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के अनुपम सेनानी थे।

उनका जन्म बिहार राज्य के भोजपुर जिला के जगदीशपुर ग्राम में हुआ था।

(ख) → हिन्दुओं के प्रमुख पर्व कौन-कौन हैं?

उत्तर → भारत देश की परम्परा धर्म प्रधान है। इस देश में अनेको धर्म हैं। हिन्दुओं के मुख्य पर्व दिपावली, रक्षाबंधन, होली, दुर्गापूजा इत्यादी हैं।

(ग) → पृथ्वी पर कौन मनुष्य रूप में पशुपत् विचरण करता है?

उत्तर → जिन मनुष्यों के पास न विद्या, न तपस्या, न दान, न सदाचरण, न गुण और न ही धर्म है। वे व्यक्ति सही अर्थों में पशु हैं जो भार स्वरूप होकर धरती पर मनुष्य रूप से विचरण करते हैं।

(E) → पर्यावरण क्या है?

उत्तर → धरती, जल, आकाश, वायु, अन्तरिक्ष, प्राणी-जगत् तथा वनस्पति जगत् इन सबकी संतुलित एवं स्वस्थ अवस्था का नाम पर्यावरण है।

(F) → सत्रीवेदों के नाम लिखें।

उत्तर → वेदों की संख्या चार है—

- (i) ऋग्वेद
- (ii) यजुर्वेद
- (iii) सामवेद
- (iv) अथर्ववेद

(G) → पञ्चतन्त्र के सत्री तन्त्रों के नाम लिखें।

उत्तर → पंचतन्त्र के पाँच भाग हैं—

- (i) मित्र भेद
- (ii) मित्र सम्प्राप्ति
- (iii) काकोत्स्थकीयम्
- (iv) लब्ध प्रणाशाः
- (v) अपरीक्षितकारकम्

(H) →

20

(10) → ज्योतिरीश्वर ठाकुर ने

12

② → (i) →

01 - दो पिनो की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक को एक आवेदन पत्र संस्कृत में लिखें।

(iv) →

12

06 → पुस्तक खरीदने के लिए आपको 500 रुपये की जरूरत है। इसके लिए पिताजी को एक पत्र संस्कृत में लिखें।

③ → (ख) - दीपावली:

३. १५

16. दीपावलीः/दीपोत्सवः

संस्कृतसाहित्ये प्रायः सर्वेषु एव नाटकेषु महोत्सवानां वर्णनं दृश्यते। भारतीयेषु महोत्सवेषु दीपावल्याः स्थानं श्रेष्ठं वर्तते। दीपावलिकाविषये एवमनुश्रूयते यत् यदा रघुकुलमणिः श्रीरामचन्द्रः लङ्काविजयानन्तरम् अयोध्यां प्रविष्टः जातः तस्मिन्नेव अवसरे अयोध्यावासिभिः तस्य महानुभावस्य स्वागतं दीपमालिकाभिः कृतम्। कार्तिकमासे कृष्णपक्षस्य अमावस्यायाम् अयम् उत्सवः भवति। अस्यां रात्रौ लक्ष्मीपूजनं भवति। जनाः चास्मिन् अवसरे नूतनानि वस्त्राणि, पात्राणि क्रीडनकानि च समाहरन्ति।